वार्षिक रिपोर्ट 2013–2014

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म0 प्र0

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था एक गैर लाभकारी संस्था है, संस्था 14वर्ष से सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। जव हम जिला और प्रदेष के पैमाने पर अपनी स्थिति का आकलन करते है तो हमारे ये काम अत्यन्त उपयोगी व प्रांसगिक नजर आते है। इससे यह प्रष्न उठता है कि जव हम और अधिक ठोस तरीके से इसे समझते हैं और इसकी व्याख्या करते हैं तथा इसकी उपलब्धियों पर आनंदित होते हैं, एसी स्थिति में हम सुजाग्रति के लक्ष्य और दृष्टि के संदर्भ में किस प्रकार इसके प्रभावों को माप सकते हैं। कहा जाय तो रोज बदलती इस बंधनमुक्त दुनिया के परिपेक्ष्य में हमारे ये काम जरूर अंतर पैदा करते है। :–

1. मध्यप्रदेष के मुरैना जिला में गुग्गल का विदोहन, संग्रहण एवं विपणन से आजीविका:–

- चीरा का समय फरवरी माह के तीसरे सप्ताह से मार्च माह के प्रथम सप्ताह तक होता है।
- चाकू, हसिया इत्यादि से चीरा लगाया जाता था किन्तु संस्था द्वारा हितग्राहियों को प्रषिक्षित कर सही तरीके से चीरा लगाना सिखाया।
- उत्प्रेरक के रूप में गुग्गल विलियन एवं रसायन का उपयोग किया जाता था किन्तु अब गुग्गल गोंद का घोल उपयोग किया जाता है तथा चीरा यंत्र से लगाते है।
- संग्रहित गुगल को प्लास्टिक, पॉलीथिन कपड़ा जूट थैलों में रखते है।
- जब गुगल का संग्रहण 4 से 5 किलों होने पर व्यापारी को बेचते हैं।

जवाहर गुगल ब्लेजर का वितरण

गुग्गुल गोंद।

2. गुग्गुल संबर्धन हेतु प्लान्टेषन–

गुग्गुल प्लान्ट तैयार करने हेतु नर्सरी– माह नवम्बर व दिसम्बर में इकठटे किये गये बीजों को मार्च माह 2014 के अन्त में जब 35 डिगरी सैल्सीयस तापमान हुआ तब 5,000 पॉलीथीन मिट्टी व गोवर की खाद को मिलाकर भरी गयी व नर्सरी हेतु बैट तैयार किये गये तथा उनमें बीज को उपचार कर बीजा रोपण किया गया। क्योकि गुग्गुल का बीज 10 प्रतिषत उपजता है बीज उपजे तथा नर्सरी में पौधे तैयार हो रहे हैं।

गुग्गल नर्सरी

प्लान्टेषन में पानी देते हुये।

3. स्वयं सहायता समूह निर्माण एव क्षमता बृद्धि की गई।

समूह बनाने का उददेष्य :–पिपरई एवं पिपरई पुरा में चार समूहों का निर्माण इसलिये किया गया क्योंकि 2000 गूगल के पडों का प्लान्टेषन संस्था द्वारा किया गया तथा 3000 का किया जाना है, उददेष्य यह था कि स्वयं सहायता समूह के लोग संरक्षित गूगल एवं सतावर पेडों से वन उपज लेकर अपनी आय बृद्धि कर सकें एंवं यही लोग हमेषा इनका संरक्षण कर सके साथ ही साथ इन्हें पैसा बचत करने की आदत पडे तथा सामुहिक रूप से अपनी समस्याओं का निपटारा कर सकें।

समूह की महिलाओं का प्रषिक्षण

समूह की मासिक बैठक में भागीदारी

4. **जैवविविधता पर कार्य – सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा जैवविविधता बोर्ड भोपाल के सहयोग से 20 पंचायतों में जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन कर उनकी क्षमताबृद्धि कर उन्हें क्रियाषील किया गया।**

जैवविविधता संरक्षण एवं संबंर्धन पर बी एम सी को क्रियाषील करते हुये।

5. गुग्गल के सरंक्षण एवं संबर्धन को लेकर ऑपरेषन गुग्गल :–

उददेष्य– मध्यप्रदेष के मुरैना जिला में गुगल का विदोहन, संग्रहण एवं विपणन से आजीविका को लेकर बैज्ञानिक, कंपनीयों, वनविभाग, संस्थायें तथा हितग्राही किसानों को लेकर कार्यक्रम का आयोजन।

सुजागृति समाज सेवी संस्था के सहयोग से मध्यप्रदेष राज्य लघुवनोपज संघ भोपाल द्वारा देवरी घड़ियाल केन्द्र मुरेना में दिनांक 10.07.2013 को 11 बजे से गुग्गल के सरंक्षण एवं संबर्धन को लेकर ऑपरेषन गुग्गंल संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेष सहकार्यता संघ अध्यक्ष माननीय अरूण सिंह तोमर ने कहा गुग्गल हमारी चम्वल अंचल की पहचान पूरे देष में होनी चाहिए यह आयुर्वेद के लिए एक वरदान के रूप में पौधा है इससे तमाम बिमारियां दूर होती हैं इसलिए इसका संरक्षण, संबर्धन एवं समबाहनी उपयोग आवष्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षंता कर रहे जिला पंचायत सदस्य वन समिति अध्यक्ष श्री महेष रावत द्वारा जन समुदाय से अपील की गई के इसे कोड़ियों के भाव में न बेचते हुये लघुवनोपज समितियों को 900 रूपये के भाव से दें।

भोपाल से पधारे माननीय मध्यप्रदेष लघुवनोपज संघ एम. डी. श्री अनिल ऑवराय द्वारा कहा गया के मुरैना को गुग्गलमय बनाया जाये इसके लिए व्यवस्था में जितने पैसे कि जरूरत होगी में व्यवस्था करूंगा साथ ही उनके द्वारा सुजाग्रति संस्था द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समिति पिपरई अध्यक्ष श्री रामनारायण पिप्पल को गूगल के संरक्षण, संबर्धन एवं उनके द्वारा पूछे गये प्रष्न के उत्तर देने से प्रषन्न होने पर पुरूस्कार से नबाजा गया उनके द्वारा जन मानस में गुग्गल के प्रति संबेदनषीलता भर दी गयी। भोपाल से ही पधारे अतिरिक्त पी.सी.सी.एफ.श्री कैनाल साहब द्वारा कहा गया कि गुग्गल ह्रदय रोग की बिमारी के लिए बहुत ही उपयोगी एवं आवष्यक है तथा गुग्गल पाकिस्तान से आयात किया जाता है जिससे हमारा बहुत सारा देषी धन विदेष में जाता है क्या यह न्यायोचित है, पहले हम गुग्गल के लिये पूर्ण सक्षम थे कहीं से आयात की आवष्यकता नहीं थी।

संगोष्ठी में पधारे डॉ. मोनी थॉमस एवं डॉ.श्री अतुल श्रीवास्तव, जे एन के भी भी जवलपुर द्वारा अनिष्चित मौसम एवं घटती संसाधनों से फसलोंत्पादन एवं कृषि अधारित आजिविका उपर्जन प्रभावित हो रही है। इस बदलते परिस्थिति में लघुवन उपज सतत ग्रामीण आजिविका के लिए महत्वपूर्ण विकल्प है। विनाषकारी विदोहन से गुग्गल के वृक्ष दुर्लभ होते जा रहे हैं। इसके दूरगामी दुष्परिणाम वातावरण, औषधीय उघोग एवं मानव स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करेंगे उनके द्वारा विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया सभी लागों को समझाई तथा उनके द्वारा गुग्गल से गोंद निकालने का यंत्र चलाना भी सिखाया गया उन्होंने यह भी बताया कि सबसे श्रेष्ठ गुग्गल चम्बल में ही है इसके बीज एवं कटिंग व पौधे गुजरात या अन्य स्थानों से लाके यहॉ लगाना ठीक नहीं है क्योकि उनमें वह मानक तुष्ट गुण नहीं है डॉ0 अतुल श्रीवास्तव द्वारा गुग्गल गोंद का संबाहनीय उपयोग व उसके मौलिक गुणों पर सुजाग्रति समाज सेवी संस्था कार्यक्षेत्र में लगे गुग्गल पौधों पर एक साल से हुई रिसर्च के परिणाम अनुसार यह कहा गया कि डाबर कंपनी की लैब अनुसार यहॉ का गोंद सबसे कीमती है।

इसके अलावा खुले सत्र में बामसौली बी एम सी से पधारे श्री बहादुर सिंह द्वारा क्षेत्र में गुग्गल पेड व गोंद के विषय में जानकारी दी तथा संबर्धन एवं संरक्षण पर किये गये कार्य को लोगों में ष्षेयर किया। डॉवर कंम्पनी दिल्ली से पधारे डॉ किमोठी, दतिया से रिसर्चक विनोद मिश्र, सतना से बाबू लाल दाहिया, राजेद्र सिंह तोमर बकील साहब, सुजागृति समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन एवं मुख्य वन संरक्षक डॉ रियाल साहब ग्वालियर वन वृत, मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान एवं ग्वालियर चम्बल संभाग के आठों डी. एफ. ओ. व एक हजार हितग्राही किसानों ने संगोष्ठी में भागीदारी की। कार्यक्रम का आभार मुरैना डी.एफ.ओ. श्री बिनसेन्ट रहीम द्वारा किया गया।

ओपरेशन गुग्गल में प्रतिभागी

प्रधान वन संरक्षक अनिल ओवेराय उदबोधन देते हुये

6. वन सुरक्षा एवं बृक्षारोपण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने हेतु अवार्ड–

म0प्र0 ष्सासन वनविभाग वन वृत्त ग्वालियर के सभागार में दिनांक 31 मई 2013 को वन संरक्षण एवं संबर्धन प्रात्साहन हेतु चयनित लोगों के प्रमोसन तथा वन समितियों का प्रोत्साहन एवं वन सुरक्षा एवं बृक्षारोपण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने हेतु मुरैना जिले की संस्था सुजाग्रति को प्रसस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह अवार्ड, माननीय वन मंत्री सरताज सिंह एवं राज्य वन मंत्री तथा मुख्य वन संरक्षक डॉ एस पी रयाल साहब के करकमलों से सुजाग्रति समाज सेवी संस्था अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन को प्रदान किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में सभी जिलों के डी एफ ओ एस डीओ एवं वन समितियों के अध्यक्ष उपस्थित थे।

अवार्ड देते हुये माननीय वन मंत्री सरताज सिंह एवं राज्य वन मंत्री संस्था अध्यक्ष जाकिर हुसैन को।

7. सी ई ई का अपस्केल स्माल ग्रान्ट प्रोग्राम के तहत की गई गतिविधियॉ –

1. गुग्गल प्लान्टेषन हेतु जगह का चिन्हॉकन किया गया 1.11.13 से 10.11.13 तक ।
2. महीने की हर 20 तारीख को स्वयं सहायता समूह की बैठक में भागीदारी।
3. महिला सक्तिकरण पर घटती हुई महिला बडती हुई हिंसा बिषय पर एक दिवसीय कार्यषाला ग्रम पिपरई मे 26 दिसम्बर 2013 कों।
4. तत्काल बीहड में परिवर्तित हो रही उपजाउ भूमि का चिन्हांकन 1.12.13 से 20.12.2013 तक कार्य किया।
5. डौरवन्दी एवं पक्की जल निकास नालियों का निर्माण।
6. 25 ग्रामों में गुग्गल जागरूकता हेतु दीवाल लेखन।

वनौषधि व वनोपज अध्ययन–

म.प्र. जैवविविधता बोर्ड व सुजाग्रति

2014

संस्था का नाम	:– सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना
अध्ययनकर्त्ता का नाम	:– जाकिर हुसैन
दिनांक	:– 6 फरवरी से 20 फरवरी 2014

अध्ययन की जगह का नाम :– पिपरई,भानपुर, मसूदपुर, विण्डवा
तालुका, जिला, पिन कोड :– मुरैना 476001
गांव में संग्राहको की अनुमानित संख्याः– 40

8. चम्बल क्षेत्र में गुग्गुल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा पर किया गया कार्य

मुरैना जिले की बीहड क्षेत्रों मे उपलब्ध गुग्गल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु स्थानीय संग्राहको को जागरूक करना एवं ग्रामीणों, वनविभाग तथा उपायोगकर्ता, संस्थाओं के मध्य सेतु के रूप में कार्य कर संवाहनीय उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण आजीविका में बृद्धि करना।

कार्यषालायें

कार्यषाला	दिनांक	स्थान	विषय	प्रशिक्षक
प्रथम कार्यषाला	5.2.2014	पिपरईपुरा दरोगा जी के निवास	यह कार्यषाला आयोजित कि गई। जिसमें गांव के स्त्री पुरूषों के साथ–साथ संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों ने भागीदारी की। सरपंच व जैवविविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से ग्रामवासियों की बैठक आयोजित कर उन्हें गुग्गल के वातावरण निर्माण का प्लान एवं उद्वेष्य– मुरैना जिले की बीहड क्षेत्रों मे उपलब्ध गुग्गल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु स्थानीय संग्राहको को जागरूक करना एवं ग्रामीणों, वनविभाग तथा उपायोगकर्ता, संस्थाओं के मध्य सेतु के रूप में कार्य कर संवाहनीय उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण आजीविका में बृद्धि करना। जैवविविधता प्रबंधन समितियों से अवगत कराया तथा जैवविविधता की अवधारणा समझाई। जैवविविधता का महत्व , जैवविविधता अधिनियम , नियम जैवविविधता प्रबंधन समितियों के कार्य व अधिकार इत्यादि। जैवविविधता संसाधनों की पहुच के नियमन की प्रक्रिया इस हेतु संधारित किये जाने बाले प्रपत्रों की जानकारी जैव संसाधनों पर फीस लगाने की प्रक्रिया आदि। जैवविविधता निधि का संधारण, लेखांकन की प्रकिया एवं समिति द्वारा अपने क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों की चर्चा तथा जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन पर कार्य करने के लिये उत्साहित किया तथा गुग्गल में चीरा लगाने वालों को व संग्रहण करने वालों की भी जानकारी प्राप्त की।	जाकिर हुसैन, श्री राजेन्द्र सिंह तोमर, आमिल खांन, अब्दुल, देवेष वर्मा
द्वितीय कार्यषाला	7.2.2014	पिपरई सरपंच निवास		
तृतीय कार्यषाला	10.2.2014	भानपुर सरपंच निवास		
चतुर्थ कार्यषाला	13.2.2014	जैतपुर ग्रांम चोपाल		
पंचम कार्यषाला	16.2.2014	मकसूदपुर सरपंच निवास		
छटवी कार्यषाला	19.2.2014	हेतमपुर सचिव निवास		
सातवीं कार्यषाला	22.2.2014	हेतमपुर मजरा प्राथमिक विद्यालय		
आठवीं कार्यषाला	3.3.2014	पुरानी उसैद ग्रांम चौपाल		

गुग्गल जागरूकता कार्यषाला में प्रतिभागी

जागरूकता कार्यषाला में एस डी ओ नरवरिया

9. प्रशिक्षण कार्य –

प्रशिक्षण	दिनांक	स्थान	विषय	प्रशिक्षक
1	5.3.2014	बृद्ध आश्रम मीटिंग हॉल	सुजाग्रति समाज सेवी संस्था का स्टाफ तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति ग्रांम कैंमरा, कैंथरी, उसैद और गोदूपुरा के अध्यक्ष व सचिवों को चम्बल क्षेत्र में गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा की कार्ययोजना के तहत क्या–क्या गतिविधियां कैसे– कैसे की जानी हैं हेतु प्रषिक्षण दिया गया।	जाकिर हुसैन एवं महिन्द्र सिंह षिकरवार
2	5.3.2014 से 7.3. 2014 तक	बुद्ध आश्रम सांस्कृतिक हॉल	कला मंडल के 8 कलाकारों को क्षेत्र के 25 गांव में गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा की कार्ययोजना के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम करने हेतु उनकी बेहतर प्रस्तुति हेतु गीत, नाटकों की स्क्रीप्ट तैयार कर उन कलाकारों को सिखाया गया	श्री विनोद कुमार मिश्र दतिया एवं कौषलेन्द्र भिंण्ड
3	9.3.2014	पिपरईपुरा बी. एम.सी. अध्यक्ष की बैठक में	चूंकि गुग्गल में चीरा मार्च माह के अन्त में लगाया जाता है लोग अकसर गलत तरीके से गुग्गल में चीरा लगाते हैं और यही गुग्गल के विनाष होने का खास कारण है। इसलिए विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया को लेकर ग्रांम पिपरई पुरा में प्रषिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कार्यषाला में चिंहित गुग्गल में चीरा लगाने वाले हितग्राहियों को जवाहर गुग्गल यंत्र भी प्रदान कराये गये।	डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 कैलाष मीना जे.एन.के.भी. भी. जवलपुर
4	10.3.2014	पुरानी उसैद प्राईमरी स्कूल	चूंकि गुग्गल में चीरा मार्च माह के अन्त में लगाया जाता है लोग अकसर गलत तरीके से गुग्गल में चीरा लगाते हैं और यही गुग्गल के विनाष होने का खास कारण है। इसलिए विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया को लेकर ग्रांम पुरानी उसैद में प्रषिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कार्यषाला में चिंहित गुग्गल में चीरा लगाने वाले हितग्राहियों को जवाहर गुग्गल यंत्र भी प्रदान कराये गये।	डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 कैलाष मीना जे.एन.के.भी. भी. जवलपुर
5	24.3.2014	मसूदपुर आंगनवाड़ी	इस प्रषिक्षण में जवलपुर से आये हुए कृषि वैज्ञानिक डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 कैलाष मीना द्वारा ये बताया गया कि गुग्गुल का औषधी महत्व है। गुग्गल का सबसे अधिक उपयोग भारतीय चिकित्सा में आमवात, मोटापन, मूत्र रोग, अस्थिवात आदि में किया जाता है। तथा उनके द्वारा बताया गया कि पेड़ो से हम लोगों को क्या–क्या फायदे हैं। इनका उपयोग ज्यादातर हम ग्राम वासी ही करेंगे। जवाहर गुग्गुल यंत्र द्वारा कैसे गुग्गुल में चीरा लगाया जाता है	डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 कैलाष मीना जे.एन.के.भी. भी. जवलपुर एवं अब्दुल हुसैन व आमिल खॉन

6	25.3.2014	नदुआपुरा गांव के बीचों बीच	श्री जाकिर हुसैन द्वारा परियोजना के उद्देष्यों को बताते हुये कहा कि संस्था द्वारा अब आपके बीच में लगातार कार्य करते रहेंगे। समिति के लोग व गांव बाले साथ मिलकर गुग्गुल व अन्य लघुवन उपजों व जंगलों का संरक्षण एंव संवर्धन कार्य करेंगे। गुग्गुल के लुप्त होने के कारणों को बताते हुए कहा कि गुग्गुल गलत तरीके से चीरा लगाने से, भूमि कटाव के कारण, दीमक के कारण, अतिक्रमण के कारण चरवाहे व ईधन के लिए लकड़ी के कारण प्रायः गुग्गुल धीरे–धीरे लुप्त होती चली जा रही है। इसे बचाने के लिए गांव वाले संयुक्त वन प्रंबधन समिति व संस्था और विभाग मिलकर कार्य करेंगे। इसके लिये प्रषिक्षण, कार्यषालायें, रैली , नुक्कड–नाटक तथा स्थानीय कला जत्था के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रदर्षन के द्वारा जागरूकता पैदा की जायेगी। तथा गांव वालों को साहित्य वितरण किया गया। तथा उपयोग कर्ता किसानों को 10 जवाहर गुग्गुल यत्रों का वितरण किया गया।	डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 कैलाष मीना जे.एन.के.भी. भी. जवलपुर एवं अब्दुल हुसैन व आमिल खॉन

कलामण्डल प्रषिक्षण कार्यक्रम का 'षुभारम्भ करते हुये विनोद मिश्र

डॉ अतुल श्रीवास्तव गुग्गल में चीरा लगाने का प्रषिक्षण देते हुये।

10. **<u>लोक जैवविविधता पंजीयों का संधारण–</u>** ग्रांम पिपरई, पिपरईपुरा, भानपुर, जैतपुर,नदुआपुरा, मसूदपुर, विण्डवा ग्रामों की लोक जैवविविधता पंजी का निर्माण किया गया।

11. **<u>गुग्गल कार्ड एवं कलैंण्डर 2014 का निर्माण</u>**– गुग्गल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु स्थानीय संग्राहको को जागरूक करना एवं ग्रामीणों, तथा 'षासन, उपायोगकर्ता, संस्थाओं के मध्य सेतु के रूप में कार्य कर संवाहनीय उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण आजीविका में बृद्धि करने हेतु गुग्गल कार्ड एवं कलैंण्डर 2014 का निर्माण यह कार्य जनवरी माह 2014 में किया गया तथा घर घर तक कलैंण्डर, कार्ड पहुचाये गये।

गुग्गल कार्ड

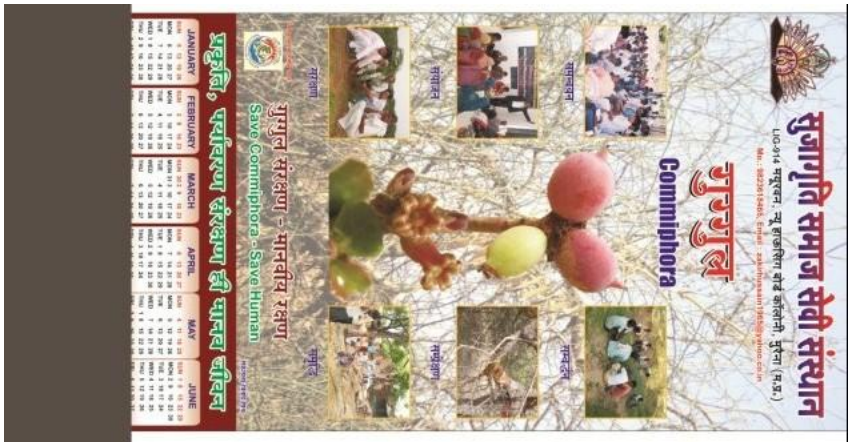

गुग्गल कलेंण्डर

12. संस्था के गूगल प्लान्टेषन कार्य को देखने हेतु आये विजिटर निम्नानुसार है –

1. डॉ0 किमाटी डाबर कंपनी दिल्ली।
2. सी सी एफ ओ पी चौधरी जी एवं एस डी ओ अनुषंधान ग्वालियर।
3. डॉ0 मोनी थॉमस और डॉ0 अतुल श्रीवास्तव वरिष्ठ बैज्ञानिक जे एन के व्ही व्ही जबलपुर।
4. डी एफ ओ मुरैना श्री विनसेन्ट रहीम एवं एस डीओ मुरैना।
5. श्री आर के खेरवार जैवविविधता बोर्ड राजस्थान जयपुर।
6. श्री ओ पी खरे अपर प्रबंध संचालक विकास म0प्र0 राज्य लघुवनोपज संघ भोपाल।
7. एस डी ओ वन विभाग नरवरिया साहब।

अध्यक्ष

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था

मुरैना म0प्र0